कारतूस

एक - दो पंक्तियों मे प्रश्नो के उत्तर :-

प्रश्न:-1 कर्नल कालिंज का खेमा जंगल में क्यों लगा हुआ था ?

उत्तर:-1 वजीर अली को पकडनेके लिए कर्नल कालिंज ने गोरखपुर के जंगलों मे खेमा लगाया हुआ था ।

प्रश्न:-2 वजीर अली से सिपाही क्यों तंग आ चुके थे ?

उत्तर:-2 काफी समय बीतनेके बाद भी सिपाही गोरखपुर के जंगलोंमे वजीर अली को पकड नही पा रहे थे । जंगल की जिंदगी से वे तंग आचुके थे ।

प्रश्न:-4 सवार ने यह क्यों कहा कि वजीनअली की गिरफ्तारी बहुत मुश्किल है ?

उत्तर:-4 सवार स्वयं वजीर अली था वह यह बात जानाता था कि कर्नल उसे पहचाननही सका है। वह स्वंय एक जॉबाज योद्धा था । वह अपनी गिरफ्तारी से ज्यादा अच्छा मर जाना समझता था ।इसलिए सवार ने कर्नलसे कहा कि वजीर अली की गिरफ्तारी करना बहुत मुश्किल है ।

प्रश्न:-3 कर्नल ने सवार पर नजर रखने को क्योंंकहा ?

उत्त्र:-3 कर्नल को शक था कि सवार कोई अली का साथी या गुप्तवचर है । वह हमसे मिलकर वजीर अली को पकडवाना चाहता है ,इसलिए कर्नल ने सवार पर नजर रखने को कहा था ।

25-30 शब्दोमे उत्तर :-

प्रश्न:-1 वजीर अली के अफसाने सुनकर कर्नल को रॉबिनहुड को याद क्यों आ जाती थी ?

उत्तर :-1 वजीर अली रॉबिनहुड की तरह ही एक जॉबाज योद्धा था । उसके साहस भरे कारनामे लोगों की जुबान पर रटे हुए थे । वह अपनी जान पर खेलकर भी अग्रेंजों से मुकाबला करता रहता था । उसने कुछ दिनों के अपने शासन काल में ही कर्नल की नाक मे दम कर लिया था इसलिए उसके साहस भरे किस्से सुनकर कर्नल केा रॉबिनहुड की याद आ जाती थी ।

प्रश्न:-2 सआदत अली कौन था ? उसने वजीर अली को पैदाइश को अपनी मौत क्यों समझा ?

उत्तर :-2 सआदत अली अवध के नवाब आसिफ उदौला का छोटा भाई था । जब काफी उम्र बीतने के बातम भी आसिफउद्दौला के घर मे पुत्र को जन्म नही हुआ तेा सआदत अली ने सोच लिया था कि आसिफउद्दौला के बाद अवध का तखत मुझे ही मिलेगा । किंतु ईश्वर की कृपा से आसिफउद्दौला के घर मे पुत्र का जन्म हो गया तेा सआदत अली के सारे सपने टूट गए और उसने वजीर अली नाम के इस बालक अपना दुश्मन मान लिया

प्रश्न:-3 सआदत अली को अवध के तख्त पर बिठाने के पीछे कर्नल का क्या मकसद था ?

उत्तर :-3 सआदत अली ने अवध के तख्त पर बैठने के लिए कर्नल को दस लाख रूपय नकद और अपनी आधी संपत्ति दे दी थी । इसके

अलावा कर्नल यह बात भी अच्छी तरह जानता था । कि सआदत अली से अग्रेंजी सरकार को किसी प्रकार का खतरा नही है। जब्कि वजीर अली अंग्रेजों का दुश्मन है । इसलिए कर्नल ने वजीर अली को हटाकर सआदत अली को अवध के तख्त पर बैठा दिया ।

प्रश्न:-4 कंपनी के वकील का कत्ल करने के बाद वजीर अली ने अपनी हिफाजत कैसे की ?

उत्तर:- वजीर अली जब गर्वनर की शिकायत करने के लिए अंग्रजों के बकील के पास गया । तो बकील ने वजीर अली को ही उल्टा - सीधा सुना दिया । वजीर अली को क्रोध आ गया । और उसने अपने खजर से बकील की हत्या कर दी।

इसके बाद वह अपने कुछ विश्वशिनिय साथियों को लेकर आजमगड़ की तरफ भाग गया । वहॉ के शासको ने उसकी मदद करके उसे गोरखपुर के जंगल में पहुँचा दिया , जहॉ जाकर वह छिप गया । और अंग्रेज उसे किसी भी प्रकार ढूँढ नहीं पा रहे थे ।

प्रश्न:- सवार के जाने के बाद कर्नल क्यों हक्का -बक्का रह गया?

उत्तर:- सवार स्वंय वजीर अली था । कर्नल ने कभी भी नहीं सोचा था कि वजीर अली इतना हिम्मती और बहादूर होगा जो उनके खेमे में निडर होकर चला आएगा ।

वजीर अली की वीरता और साहस को देखकर तथा अपने सामने शाक्षात मौत को खडी देखकर कर्नल हक्का बक्का हो गया था ।

50-60 शब्दों में उत्तर:-

लेफ्टीनेंट को ऐसा क्यो कि कंपनी के खिलाफ सारे हिंदुस्तान में एक लहर दौड़ गई है?

उत्तर:- लेफटीनेंट को जब कर्नल ने यह बताया कि वजीर अली ने अफगानिस्तान के बादशाह शाहे जमा को हिंदुस्तान पर हमला करने की दावत दी है । इसके अलावा टीपू सुल्तान और शमसुदौला ने भी शाहे जमा को अंग्रेजो पर आक्रमण करनेके लिए दिल्ली बुलाया है । तो उसको ऐसा लगने लगा कि कंपनी के खिलाफ सारे हिंदुस्तान ने विद्रोह की लहर सी दौड गई है। और सभी अंग्रोजो को भारत से बाहर निकालना चाहते है।

प्रश्न:- वजीर अली ने कंपनीके बकील का कत्ल क्यों किया?

उत्तर:-गर्वनर ने वजीर अली को अवध के सिंघासन से हटाकर बनारस का सिंहासन सौप दिया और फिर कुछ दिन बाद ही गर्वनर जनरल ने उसे कलकत्ता बुलवा लिया । तब वजीर अली बनारस में ही रहने वाले कंपनी के वकील के शिकायत नहीं सुनी बल्कि उसे ही बुरा-भला सुना दिया । वजीर अली के दिल में तो वैसे ही अंग्रजो के खिलाफ नफरत कूट -कूट कर भरी थी । बकील की बात सुनकर उसका क्रोध बहुत बढ़ गया और उसने अपने खंजर से बकील की हत्या कर दी ।

प्रश्न:- सवार ने कर्नल से कारतूस कैसे हासिल किए ।

उत्तर:-वजीर अली को पता था । कि कर्नल कॉलिंज उसे पकडने के लिए अपनी फौज के साथ जंगल मे डेरा डाले हुए है। और उसके पास कारतूस भी है। इसलिए , वजीर अली बिना डरे हुए कर्नल के खेमें में

चला गया । उसने कर्नल से एकांत में भेट की और उसे अपनी बातो में उलझा लिया ।

कर्नल को विश्वास हो गया कि यह सवार निश्चित ही वजीर अली का दुश्मन है। और वजीर अली को गिरफतार करना चाहता है। तो सवार ने जब कर्नल से कारतूस मांगे तो कर्नल उसे दश करतूस दे देता है। इस प्रकार वजीर अली ने कर्नल से कारतस हासिल कर लिए ।

प्रश्न:- वजीर अली एक जॉवाज सिपाही था ।,कैसे ? स्पष्ट कीजिए ।

या

वजीर अली एक जॉबाज सिपाही था । वह बहुत वीर और साहसी व्यक्ति था । उसे निर्भयतापूर्वक अपनी जान की बाजी लगानी आती थी । जब उससे अवध ही नबावी छीन ली गई तो उसने अंग्रजो के विरूद्ध संघर्ष करना शुरू कर दिया । जब बकील ने उसकी बात को नजरअंदाज किया और उससे भला-बुरा कहा तो उसने बकील की भी हत्या कर दी । कंपनीके अफसरों की नींद हराम कर देने वाला यह वीर इतना बहादूर था कि शेर की मदद में घुसकर उससे दो-दो हाथ करने के समान कंपनी की बटालियन के खेमे में आ पहुँचा और उसने कर्नल कर्नल पर ऐसा शेब जमाया कि कर्नल के मुँह से भी शब्द निकले जो कोई भी शत्रु अपने शत्रु के लिए नहीं बोलता है । इन सभी बातो से सिद्ध होता है। कि वजीर अली एक जॉबाज सिपाही था ।